आर्थिक भूगोल के मूल तत्व

(Elements of Economic Geography)

डॉ० अलका गौतम
अध्यक्ष, (भू.पू.)
भूगोल विभाग
मेरठ कॉलेज, मेरठ

शारदा पुस्तक भवन
पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
न्यू मम्फोर्डगंज, प्रयागराज-211002

प्रकाशक :

शारदा पुस्तक भवन

पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स

610/479/1 न्यू मम्फोर्डगंज, प्रयागराज - 211 002

☎ : 0532-2644643 9198888981

: spballd@gmail.com; spballd@yahoo.in

: www.shardapustakbhawan.com

© प्रकाशक

प्रथम संस्करण : 2007

पंचम संशोधित संस्करण : 2013

सप्तम् पूर्णतया संशोधित परिवर्द्धित संस्करण : 2024

पुनर्मुद्रित संस्करण : 2025

मूल्य : ₹ 450.00

सर्वाधिकार प्रकाशक के अधीन

कम्प्यूटर कम्पोजिंग :

कॉम्पटेक ग्राफिक्स, प्रयागराज

मुद्रण :

विपिन इंटरप्राइज़ेज़, प्रयागराज

SBN : 978-81-957435-7-5

पुस्तक में प्रस्तुत तथ्यों अथवा विवरण में रह गई किसी भी कमी अथवा त्रुटि के कारित क्षति अथवा संताप के लिए लेखक, प्रकाशक, मुद्रक अथवा विक्रेता का कोई दायित्व नहीं है। किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल इलाहाबाद होगा।

आर्थिक भूगोल के मूल तत्व

विषय सूची

खण्ड-I—संकल्पनात्मक आधार
Section - I (Conceptual Fundations)

1. आर्थिक भूगोल : एक परिचय **1-18**
(Economic Geography : An Introduction)

आर्थिक भूगोल का अर्थ, आर्थिक भूगोल की परिभाषाएँ, आर्थिक भूगोल का क्रमबद्ध विकास, आर्थिक भूगोल का कार्य क्षेत्र, आर्थिक भूगोल की प्रकृति, आर्थिक भूगोल का महत्व, आर्थिक भूगोल के अध्ययन के उपागम, अर्थव्यवस्था के पर्यावरणीय सम्बन्ध, आर्थिक भूगोल एवं अर्थव्यवस्था, अर्थशास्त्र बनाम आर्थिक भूगोल, वाणिज्यिक भूगोल बनाम आर्थिक भूगोल, आर्थिक भूगोल बनाम संसाधन भूगोल, आर्थिक भूगोल का भूगोल की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध, आर्थिक भूगोल की आधारभूत संकल्पनाएँ, महत्वपूर्ण प्रश्न।

2. अर्थतन्त्र एवं आर्थिक व्यवस्थाएँ **19-28**
(Economy and Economic Systems)

अर्थतन्त्र की संकल्पना, अर्थव्यवस्था का संक्षिप्त इतिहास, अर्थतन्त्र की संक्रिया, अर्थतन्त्र का आर्थिक उपागम, अर्थतन्त्र का भौगोलिक दृष्टिकोण — 1. स्थान (Space), 2. स्थल (Place), 3. मापक (Scale); आर्थिक तन्त्रों के प्रकार — निर्वाहक तन्त्र, वाणिज्यिक तन्त्र, नियोजित तन्त्र, महत्वपूर्ण प्रश्न।

3. आर्थिक जगत के प्रमुख अभिनेता **29-55**
(Key Actors in Economic World)

राज्य के कार्य – अन्तिम गारन्टी कर्ता के रूप में, नियामक के रूप में, राष्ट्रीय अर्थतन्त्र के निर्माता के रूप में, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के स्वामी के रूप में, सार्वजनिक वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रदाता के रूप में; राज्य के प्रकार – नव-उदारवादी राज्य, कल्याणकारी राज्य, विकासकारी राज्य, संक्रमणकारी राज्य, दुर्बल एवं पराश्रित राज्य, असफल राज्य; फर्म/पराराष्ट्रीय निगम या बहुराष्ट्रीय निगम, बहुराष्ट्रीय निगमों के आधार, बहुराष्ट्रीय आर्थिक क्रियाओं को संगठित करना : अन्तरा-फर्म सम्बन्ध, बहुराष्ट्रीय आर्थिक क्रियाकलापों को संगठित करना : अन्तर्फर्म सम्बन्ध, श्रम तथा श्रम बाज़ार के उपागम, पूँजीवादी व्यवस्था में श्रमिकों की भूमिका, श्रमिक : परिवर्तन के अभिकर्ता के रूप में, कार्य करने की वैकल्पिक विधियाँ, उपभोक्ता, उपभोग प्रक्रिया, उपभोग स्थल, बाजार केन्द्र, केन्द्रीय स्थल सिद्धान्त एवं बाजार नेटवर्क, क्रिस्टेलर के विचार, केन्द्रीय स्थलों का पदानुक्रम, बाजार केन्द्रों की उत्पत्ति, नियत कालिक एवं दैनिक विपणन, क्रमिक विकास, फुटकर एवं थोक बाजार, महत्वपूर्ण प्रश्न।

4. आर्थिक भूगोल की अभिनव विषय-वस्तु एवं संकल्पनाएँ **56-78**
(Recent Themes and Concepts in Economic Geography)

1. समूहन (पर आधारित) अर्थव्यवस्थाएँ, समूहन के आर्थिक आधार, समूहन के सामाजिक एवं सांस्कृतिक निर्धारक तत्व, इण्डोनेशिया में समूहन की अर्थव्यवस्थाएँ; 2. पण्य (वस्तु) शृंखलाएँ, 3. प्रकृति का पण्यीकरण, 4. पर्यावरण विघटन का पण्यीकरण, 5. एक्टर-नेटवर्क सिद्धान्त, 6. फोर्डवाद, 7. फोर्ड-पश्चात् वैकल्पिक उत्पादन तन्त्र, उत्पादन की फोर्डवादी तथा जापानी प्रणालियों में अन्तर, 8. स्थान रहित उत्पादन का अभ्युदय,

9. नव-उदारवाद, 10. मृदु पूँजीवाद का अभ्युदय, 11. वैश्वीकरण, 12. स्थान संकुचित करने वाली प्रौद्योगिकियाँ, भारत में अपतटीय सेवाएँ, 13. बहु-राष्ट्रीय निगम, 14. आउट-सोर्सिंग, 15. संक्रमणीय राज्य, 16. बृहत् प्रादेशिक आर्थिक गुटों का अभ्युदय, 17. आर्थिक भूगोल में प्रजातीयता, 18. श्रम शक्ति में प्रजातीयता, प्रजातीय व्यवसाय केन्द्र एवं समूह, 19. अन्तर्राष्ट्रवाद का आर्थिक भूगोल, 20. अन्तर्राष्ट्रीय (मुद्रा) प्रेषण, 21. अन्तर्राष्ट्रीय प्रजातीय उपक्रम, लिंग-आधारित आर्थिक भूगोल, 22. लिंग-आधारित आर्थिक अभिनेता, 23. लिंग-आधारित अर्थतन्त्र, 24. श्रम शक्ति में महिलाओं की सहभागिता, 25. लिंगानुसार कार्य तथा कार्यस्थलों का वर्गीकरण, महत्वपूर्ण प्रश्न।

खण्ड-II—संसाधन
(Resources)

5. संसाधनों की संकल्पना **79-104**
(Concept of Resources)

संसाधन का अर्थ, संसाधन, प्रतिरोध एवं उदासीन तत्व, स्टॉक, संसाधन, आरक्षित भण्डार एवं संभावित संसाधन, संसाधनों की संकल्पनाएँ, संसाधनों की कार्यात्मक या संक्रियात्मक संकल्पना, अभिनव भौगोलिक साहित्य में संसाधनों की संकल्पना, संसाधन पर्याप्तता की संकल्पना, संसाधन दुर्लभता संकल्पना या वृद्धि की सीमाएँ, संसाधन निर्माणकारी कारक, संसाधन की प्रक्रिया, प्रकृति : संसाधन निर्माण में एक कारक के रूप में, मानव एवं संसाधन, संस्कृति एवं संसाधन, संसाधन-विकास में प्राविधिकी की भूमिका – संसाधन विकास, संसाधनों का वर्गीकरण, 1. संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर वर्गीकरण, 2. संसाधनों के वितरण एवं बारम्बारता पर आधारित वर्गीकरण, 3. संसाधनों के प्रयोग पर आधारित वर्गीकरण, संसाधनों का वर्तमान वर्गीकरण, संसाधन पारिस्थितिकी, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, संसाधन संरक्षण की संकल्पना, संरक्षण के उद्देश्य, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए नियोजन, महत्वपूर्ण प्रश्न।

6. मिट्टी संसाधन **105-122**
(Soil Resources)

मिट्टी का संगठन, मिट्टी का निर्माण, अपक्षय, मृदाजनन मिट्टी के निर्माण के कारक, निष्क्रिय कारक, सक्रिय कारक, मिट्टी की परिच्छेदिका, मिट्टी निर्माण के प्रक्रम, मिट्टी की विशेषताएँ, मिट्टियों का वर्गीकरण, भू-स्थिति के अनुसार, पैतृक शैलों के अनुसार, गुणों के अनुसार, उपयोग के आधार पर मिट्टियों का वर्गीकरण, रूसी मृदा वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत वर्गीकरण, अमेरिकी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत वर्गीकरण, संयुक्त राज्य के कृषि विभाग द्वारा नवीनतम वर्गीकरण, भूमि उपयोग एवं मिट्टियाँ, मिट्टी की आर्थिक योजना, मिट्टी की समस्याएँ, मृदा अवनयन, मृदा अपरदन, वायुमण्डलीय प्रदूषण, भूमिगत जल का ह्रास, मिट्टी का परिरक्षण एवं संरक्षण, जैविक खेती, महत्वपूर्ण प्रश्न।

7. जल संसाधन **123-134**
(Water Resources)

भूमिगत जल संसाधन, धरातलीय जल संसाधन, स्थलीय जल संसाधन, मानव द्वारा स्थलीय जल संसाधनों का उपयोग : नदियाँ, नहरें, झीलें एवं आन्तरिक सागर, स्थलीय जल संसाधन एवं मानव, महासागरीय जल संसाधन, महासागरों के विशिष्ट लक्षण, मानव द्वारा महासागरों का उपयोग, जल उपभोग प्रतिरूप, जल संसाधनों का संरक्षण, जल संरक्षण की तकनीकें, महत्वपूर्ण प्रश्न।

8. प्राकृतिक वनस्पति **135-149**
(Natural Vegetation)
वनस्पति विकास के कारक, प्राकृतिक वनस्पति के प्रकार – I. वन, II. घास प्रदेश, III. मरुस्थलीय एवं अर्द्ध मरुस्थलीय वनस्पति, IV. टुण्ड्रा वनस्पति, वनाच्छादन (वनावरण) का विस्तार, वन संसाधनों का वितरण, वनों का महत्व, आर्थिक महत्व, पारिस्थितिक महत्व, 2. जैव विविधता का रक्षण, 3. प्राकृतिक पारितन्त्रों तथा प्रक्रमों को प्रश्रय, वनों का आर्थिक उपयोग, वन-विनाश (निर्वनीकरण), उष्णकटिबन्धीय वनों में निर्वनीकरण, शीतोष्ण कटिबन्ध में निर्वनीकरण, निर्वनीकरण की दरें एवं विस्तार, निर्वनीकरण के कारण/कारक, वनों का संरक्षण, वन संरक्षण की रणनीतियाँ, वानिकी, सामाजिक वानिकी, कृषि वानिकी, महत्वपूर्ण प्रश्न।

9. खनिज संसाधन **150-197**
(Mineral Resources)
खनिजों के प्रकार, I. धात्विक खनिज, II. अधात्विक खनिज, उत्खनन को प्रभावित करने वाले कारक, I. प्राकृतिक या भौतिक दशाएँ, II. मानवीय दशाएँ, विश्व के प्रमुख खनन क्षेत्र, धात्विक खनिज, 1. लौह अयस्क, लौह अयस्क के प्रकार, लौह अयस्क का वितरण, लौह अयस्क का उत्पादन, उत्तरी अमेरिका में लौह अयस्क खनन, दक्षिणी अमेरिकी में लौह अयस्क खनन, यूरोप में लौह अयस्क खनन, एशिया में लौह अयस्क खनन, अफ्रीका में लौह खनन, आस्ट्रेलिया में लौह अयस्क खनन, लौह अयस्क का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, भविष्य, लौह-पूरक धातुएँ, मैंगनीज, मैंगनीज अयस्क के प्रकार, मैंगनीज़ का विश्व-वितरण, मैंगनीज़ के भण्डार, मैंगनीज़ उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, क्रोमियम, उत्पादक क्षेत्र, निकिल, भौगोलिक वितरण, टंगस्टन, उत्पादक क्षेत्र, एन्टीमनी, उत्पादक क्षेत्र, अलौह धातुएँ – ताँबा, ताँबे की प्राप्ति, ताँबे का विश्व वितरण, दक्षिणी अमेरिका में ताँबा उत्पादन, उत्तरी अमेरिका में ताँबा उत्पादन, यूरोप में ताँबा उत्पादन, अफ्रीका में ताँबा उत्पादन, एशिया में ताँबा उत्पादन, आस्ट्रेलिया में ताँबा खनन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, बॉक्साइट एवं एलुमिनियम, एल्युमिनियम की प्राप्ति, बॉक्साइट खनन के क्षेत्र एवं उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, जस्ता, खनन के प्रमुख क्षेत्र, उत्तरी अमेरिका में जस्ता उत्पादन, ऑस्ट्रेलिया में जस्ता उत्पादन, एशिया में जस्ता उत्पादन, दक्षिणी अमेरिका में जस्ता उत्पादन, यूरोप में जस्ता उत्पादन, अफ्रीका में जस्ता उत्पादन, जस्ता प्रद्रावण, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, सीसा, सीसा खनन के क्षेत्र, उत्तरी अमेरिका में सीसा खनन, दक्षिणी अमेरिका में सीसा खनन, एशिया में सीसा खनन, आस्ट्रेलिया में सीसा खनन, यूरोप में सीसा खनन, सीसा प्रद्रावण, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, टिन, टिन खनन के क्षेत्र, एशिया में टिन खनन, दक्षिणी अमेरिका में टिन खनन, यूरोप में टिन खनन, अफ्रीका में टिन खनन, टिन का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, बहुमूल्य धातुएँ-स्वर्ण (सोना), सोने उपयोग, सोना प्राप्ति के स्रोत, विश्व में स्वर्ण उत्पादन, सोने का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, चाँदी, चाँदी प्राप्ति के स्रोत, चाँदी खनन के प्रमुख क्षेत्र, उत्तरी अमेरिका में चाँदी खनन, दक्षिणी अमेरिका में चाँदी खनन, शीर्षस्थ चाँदी खनन की कम्पनियाँ, आस्ट्रेलिया में चाँदी खनन, एशिया में चाँदी खनन, अफ्रीका में चाँदी खनन, यूरोप में चाँदी खनन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, प्लेटिनम, खनिज रसयान, अभ्रक, अभ्रक के प्रकार, उत्पादक क्षेत्र, गन्धक, पोटाश, फास्फेट, खनिज संसाधनों का संरक्षण, महत्वपूर्ण प्रश्न।

10. ऊर्जा के संसाधन **198-247**
(Energy Resources)
ऊर्जा का वर्गीकरण, ऊर्जा के स्रोत, औद्योगिक ऊर्जा के प्रमुख स्रोत, कोयला, कोयले का महत्त्व, कोयले की प्रकृति एवं उत्पत्ति, कोयले के घटक, कोयले के प्रकार, कोयला खनन की विधियाँ, कोयले के संचित भण्डार एवं वितरण, 1. पूर्व सोवियत संघ के कोयला क्षेत्र, 2. संयुक्त राज्य अमेरिका के कोयला क्षेत्र, 3. चीन के कोयला क्षेत्र, 4. यूरोप की कोयला पेटी, I. ग्रेट ब्रिटेन, II. फ्राँस, III. बेल्जियम तथा नीदरलैण्ड्स, IV. जर्मनी, V. पोलैण्ड,

VI. भारत के कोयला क्षेत्र, VII. जापान के कोयला क्षेत्र, VIII. दक्षिणी महाद्वीपों के कोयला क्षेत्र, कोयले से प्राप्त उपजात पदार्थ, कोयले का संरक्षण, पेट्रोलियम, पेट्रोलियम की प्रकृति एवं गुण, पेट्रोलियम की उपस्थिति, पेट्रोलियम की उत्पत्ति एवं प्राप्ति, पेट्रोलियम शोधन, पेट्रोलियम के भण्डार, I. मध्य-पूर्व (पश्चिम एशिया) के तेल क्षेत्र, II. पूर्व सोवियत संघ के तेल क्षेत्र, उत्तरी अमेरिका में पेट्रोलियम उत्पादन, 1. संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको, दक्षिणी अमेरिका में पेट्रोलियम उत्पादन, III. पूर्वी एशिया के पेट्रोलियम क्षेत्र, अफ्रीका में पेट्रोलियम उत्पादन, यूरोप में पेट्रोलियम उत्पादन, पेट्रोलियम का उपभोग, पेट्रोलियम का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, पेट्रोलियम के व्यापार में OPEC की भूमिका, ऊर्जा संकट, प्राकृतिक गैस, आरक्षित भण्डार, उत्पादन, उत्तरी अमेरिका में प्राकृतिक गैस, दक्षिण अमेरिका में प्राकृतिक गैस, यूरोप में प्राकृतिक गैस, अफ्रीका में प्राकृतिक गैस, एशिया में प्राकृतिक गैस, जल विद्युत, जलविद्युत का महत्व, जल विद्युत उत्पादन के लिये आवश्यक दशाएँ, भौतिक दशाएँ, आर्थिक दशाएँ, विभव एवं विकसित जल विद्युत शक्ति का वितरण, जलविद्युत के उत्पादक क्षेत्र, जलशक्ति का विभव, अफ्रीका में विभव जल शक्ति, एशिया में विभव जल शक्ति, अमेरिका में विभव जल शक्ति, यूरोप में विभव जल शक्ति, ओशीनिया में विभव जलशक्ति, विकसित जल विद्युत शक्ति, उत्तरी अमेरिका में जल विद्युत शक्ति उत्पादन, यूरोप में जल विद्युत उत्पादन, एशिया में जल विद्युत उत्पादन, दक्षिणी अमेरिका में जल विद्युत उत्पादन, अफ्रीका में जल विद्युत उत्पादन, ओशीनिया में जल विद्युत उत्पादन, परमाणु ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा का महत्व (लाभ), परमाणु ऊर्जा के ईंधन या खनिज, यूरेनियम का वितरण, विश्व की दस वृहत्तम यूरेनियम खदानें, थोरियम, परमाणु ऊर्जा का उत्पादन, परमाणु ऊर्जा-भविष्य की ऊर्जा, ऊर्जा के गैरपरम्परागत स्रोत, ऊर्जा के गैरपरम्परागत स्रोतों के प्रबन्धन का इतिहास, 1. सौर ऊर्जा, 2. पवन ऊर्जा, प्रमुख पवन ऊर्जा उत्पादक देश, वर्तमान उत्पादन, 4. भूतापीय ऊर्जा, 5. ज्वारीय ऊर्जा, 6. जैव ऊर्जा/जैव-भार ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रश्न।

11. मानव संसाधन **248-293**

(Human Resources)

मानव संसाधन की संकल्पना, जनसंख्या का वितरण, जनसंख्या वितरण के कारक, I. भौतिक कारक, II. सामाजिक-सांस्कृतिक कारक, III. जनांकिकीय कारक, विश्व में जनसंख्या का वर्तमान वितरण, वास्य तथा अवास्य क्षेत्रों के रूप में जनसंख्या का वितरण, जनसंख्या का महाद्वीपीय वितरण, 1. एशिया में जनसंख्या वितरण, 2. यूरोप में जनसंख्या वितरण, 3. उत्तरी एवं मध्य अमेरिका में जनसंख्या विवरण, 4. दक्षिणी अमेरिका में जनसंख्या वितरण, 5. अफ्रीका में जनसंख्या का वितरण, 6. ओशीनिया में जनसंख्या वितरण, जनसंख्या का घनत्व, विश्व में जनसंख्या के घनत्व के प्रतिरूप, एशिया में जनसंख्या का घनत्व, यूरोप में जनसंख्या का घनत्व, जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या वृद्धि के आँकड़े, जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के कारण, वर्तमान उपनति, भावी प्रक्षेप, जनसंख्या वृद्धि के घटक (कारक), प्रवास, प्राकृतिक वृद्धि, जन्म दरें, मृत्यु दरें, जनसंख्या की विशेषताएँ, आयु संघटन, लिंग संघटन, नगरीयकरण, नगरीयकरण के प्रभाव, साक्षरता, कार्यशील जनसंख्या, आश्रितता अनुपात, जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त, माल्थस का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धान्त, नव माल्थस सिद्धान्त, वृद्धि की सीमा, वृद्धि की सीमा की आलोचना, बॉयड मॉडल, जनांकिकीय परिवर्तन सिद्धान्त, जनसंख्या विस्फोट, जनसंख्या विस्फोट से उत्पन्न समस्याएँ, आदर्श (अनुकूलतम) जनसंख्या, जनसंख्या समस्याएँ, विकासशील देशों की समस्याएँ, विकसित देशों की समस्याएँ, यूरोप में जनसंख्या की समस्या, जनसंख्या नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि को हतोत्साहित करने वाली नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ, जनसंख्या-संसाधन प्रदेश, जनसंख्या-संसाधन प्रदेश – [I] संयुक्त राज्य अमेरिका प्रकार के प्रदेश, [II] यूरोपीय प्रकार के प्रदेश, [III] इजिप्शियन (मिस्री) प्रकार के प्रदेश, [IV] ब्राजीलियन प्रकार के प्रदेश, [V] आर्कटिक/मरुस्थल प्रकार के प्रदेश, मानव संसाधन विकास, विकास एवं जन कल्याण का समग्र माप, भारत में मानव विकास सूचकांक, महत्वपूर्ण प्रश्न।

खण्ड-III — प्रमुख आर्थिक क्रियाएँ
(Major Economic Activities)

12. विश्व की प्रमुख आर्थिक क्रियाएँ **294-303**
(Major Economic Activities of the World)

आर्थिक क्रिया का अर्थ, आर्थिक क्रियाओं की विविधताएँ, आर्थिक क्रियाओं तथा प्राकृतिक पर्यावरण में सम्बन्ध, मानव द्वारा पर्यावरण एवं व्यवसाय की छाँट, अर्थव्यवस्था के क्षेत्र, विश्व के विद्यमान आर्थिकतन्त्र के प्रारूप, प्राकृतिक पर्यावरण का आर्थिक क्रियाकलापों पर प्रभाव, आर्थिक क्रियाओं का वर्गीकरण, क्रियाशीलता के वर्ग, महत्वपूर्ण प्रश्न।

13. प्राथमिक व्यवसाय : आखेट, पशुचारण, वानिकी **304-319**
(Primary Occupations : Hunting, Grazing, Forestry)

आखेट – टुण्ड्रा एवं टैगा में आखेट, उष्णकटिबन्धीय वनों, सवाना तथा उष्णकटिबन्धीय द्वीपों में आखेट, II. पशु चारण – भ्रमणशील (घुमक्कड़ी) पशुचारण, मध्य एशिया में भ्रमणशील पशुचारण, दक्षिण पश्चिमी एशिया तथा उत्तरी एवं पूर्वी अफ्रीका में भ्रमणशील पशुचारण, टुण्ड्रा में भ्रमणशील पशुचारण, वाणिज्यिक पशुचारण, उष्ण कटिबन्धीय घास भूमियाँ, शीतोष्ण घास भूमियाँ, III. वानिकी – लकड़ी काटना, उष्ण कटिबन्ध में लकड़ी काटना, शीतोष्ण प्रदेशों में लकड़ी काटना, टिम्बर उत्पादन एवं व्यापार में वैश्विक प्रतिरूप, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरेशिया के शीतोष्ण कटिबन्धीय वन, मध्यवर्ती यूरोप, बाल्टिक राज्य, रूसी फेडरेशन, एशिया, जापान, चीन, भारत, दक्षिण पूर्वी एशिया, वस्तुसंग्रह एवं निष्कर्षण, महत्वपूर्ण प्रश्न।

14. पशुपालन **320-333**
(Livestock Raising)

1. दुग्ध व्यवसाय – दुग्ध व्यवसाय की प्रमुख विशेषताएँ, दुग्ध उत्पादक क्षेत्र, डेयरी पदार्थों का विश्व व्यापार, 2. माँस उद्योग – गोमाँस, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, मटन (भेड़ माँस), मटन उत्पादक क्षेत्र, बकरी का माँस, सुअर माँस, सुअर पालन के मुख्य क्षेत्र, ऊन, ऊन उत्पादक क्षेत्र, विश्व व्यापार, ऊन की विशिष्ट किस्में, महत्वपूर्ण प्रश्न।

15. मात्स्यिकी (मत्स्योत्पादन) **334-346**
(Fisheries)

मात्स्यिकी के प्रकार, वाणिज्यिक स्वच्छ जलीय मत्स्योत्पादन, वाणिज्यिक तटवर्ती मत्स्योत्पादन, खुले सागरों में मत्स्योत्पादन, मत्स्योत्पादन के प्रमुख क्षेत्र, गौण मत्स्य क्षेत्र, प्रमुख मत्स्योत्पादक देश, मत्स्य पालन, प्रमुख देशों की मत्स्य किस्में, ह्वेल प्राप्ति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, अति शोषण एवं वहनीयता, मात्स्यिकी की समस्याएँ, मात्स्यिकी प्रबन्धन, मात्स्यिकी के वहनीय प्रबन्धन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सन्धियाँ, महत्वपूर्ण प्रश्न।

16. कृषि : अवस्थिति **347-363**
(Agriculture : Location)

कृषि की परिभाषा, कृषि के स्वरूप, कृषि की विविधता, कृषि का वाणिज्यीकरण, यान्त्रिक क्रान्ति एवं कृषि, कृषि की अवस्थिति, I. भौतिक कारक, II. सामाजिक-आर्थिक कारक, विश्व में कृषित भूमि, सिंचित क्षेत्र, विकास में कृषि की भूमिका, कृषि अवस्थिति, वॉन थ्यूनेन का कृषि अवस्थिति सिद्धान्त, अभिग्रहीत, मॉडल I तीव्रता का सिद्धान्त, मॉडल II भूमि उपयोग की भिन्नता का सिद्धान्त, वॉन थ्यूनेन के सिद्धान्त की आलोचना, वॉन थ्यूनेन के मॉडल की प्रासंगिकता, वॉन थ्यूनेन के मॉडल का भारत के संदर्भ में अनुप्रयोग, सिन्क्लेयर का सिद्धान्त,

ओलोफ जोनासन का सिद्धान्त, हूवर का सिद्धान्त, II. कृषि स्थानीयकरण के आधुनिक सिद्धान्त – 1. प्राकृतिक सीमाओं तथा अनुकूलतम दशाओं का सिद्धान्त, 2. आर्थिक सीमाओं तथा अनुकूलतम दशाओं का सिद्धान्त, महत्वपूर्ण प्रश्न।

17. कृषि : पद्धतियाँ एवं प्रदेश **364-397**
(Agriculture : Systems and Regions)

कृषि के प्रादेशीकरण की योजनाएं, ह्विटलसी का वर्गीकरण, ह्विटलसी के वर्गीकरण की समीक्षा – A पारिस्थितिक तन्त्र, B निर्वाहक तन्त्र, C वाणिज्यिक तन्त्र, D सामूहिक तन्त्र, E नकदी फसल तन्त्र, कृषि प्रदेशों की प्रमुख विशेषताएँ, 1. चलवासी पशुचारण, विशेषताएँ, 2. स्थानान्तरी कृषि, विशेषताएँ, 3. प्राचीन स्थानबद्ध कृषि, विशेषताएँ, 4. सघन निर्वाहक कृषि, चावल प्रधान गहन निर्वाहक कृषि, विशेषताएँ, 5. चावल रहित सघन निर्वाहक कृषि, 6. निर्वाहक शस्य एवं पशु पालन, 7. भूमध्य सागरीय कृषि, विशेषताएँ, 8. पशु पालन, विशेषताएँ, 9. विस्तृत वाणिज्यिक अन्नोत्पादन, विशेषताएँ, 10. वाणिज्यिक पशुपालन एवं शस्योत्पादन (मिश्रित कृषि), 11. वाणिज्यिक डेयरी फार्मिंग, विशेषताएँ, 12. विशेषीकृत फलोत्पादन एवं सब्जी उत्पादन, विशेषताएँ, 13. सामूहिक कृषि, विशेषताएँ, E. नकदी फसलोत्पादन, 14. वाणिज्यिक बागाती कृषि, कृषि प्रदेश, संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि प्रदेश, अमेरिकी कृषि में नयी उपनतियाँ, (पूर्ववर्ती) सोवियत संघ के कृषि प्रदेश, Idle Virgin Lands Programme (1954), चीन के कृषि प्रदेश, चीन की वैज्ञानिक अकादमी द्वारा कृषि प्रादेशीकरण, कोल्ब द्वारा किया गया चीन का कृषि-प्रादेशीकरण, भारत की कृषि पद्धतियाँ एवं कृषि प्रदेश महत्वपूर्ण प्रश्न।

18. कृषि उत्पादन : धान्य फसलें **398-413**
(Agricultural Production : Food Crops)

1. गेहूँ – उत्पत्ति की भौगोलिक दशाएँ, आर्थिक दशाएँ, गेहूँ की किस्में, गेहूँ उत्पादक क्षेत्र, एशिया में गेहूँ उत्पादन, उत्तरी अमेरिका में गेहूँ उत्पादन, यूरोप में गेहूँ उत्पादन, आस्ट्रेलिया में गेहूँ उत्पादन, दक्षिणी अमेरिका में गेहूँ उत्पादन, अफ्रीका में गेहूँ उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; 2. चावल – उत्पादन की दशाएँ, चावल की किस्में, उत्पादन की विधियाँ, चावल का उत्पादक क्षेत्र, अन्य चावल उत्पादक देश, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; 3. मक्का – उपज की दशाएँ, मक्का उत्पादक क्षेत्र, लेटिन अमेरिका में मक्का उत्पादन, यूरोप में मक्का उत्पादन, एशिया में मक्का उत्पादन, अन्य एशियाई देश, अफ्रीका में मक्का उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; 4. जौ – उत्पादन की दशाएँ, जौ उत्पादन क्षेत्र; 5. जई, 6. राई, महत्वपूर्ण प्रश्न।

19. पेय फसलें **414-424**
(Beverage Crops)

चाय – उत्पादन की दशाएँ, चाय उत्पादक क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; कहवा – उपज की दशाएँ, कहवा उत्पादक क्षेत्र, लेटिन अमेरिका में कहवा उत्पादन, एशिया में कहवा उत्पादन, अफ्रीका में कहवा उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; कोको – उपज की दशाएँ, कोको उत्पादन क्षेत्र, अफ्रीका में कोको उत्पादन, दक्षिणी अमेरिका में कोको उत्पादन, एशिया देश में कोको उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; तम्बाकू – उपज की दशाएँ, तम्बाकू उत्पादक क्षेत्र, मध्य अमेरिकी देशों में तम्बाकू उत्पादन, यूरोपीय देशों में तम्बाकू उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, महत्वपूर्ण प्रश्न।

20. औद्योगिक फसलें **425-443**
(Industrial Crops)

कपास – कपास की किस्में, उपज की दशाएँ, कपास उत्पादक क्षेत्र, आंग्ल अमेरिका में कपास उत्पादन, एशिया में कपास उत्पादन, लेटिन अमेरिका में कपास का उत्पादन, अफ्रीका में कपास उत्पादन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार;

जूट या पटसन – उपज की दशाएँ, जूट उत्पादन क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; फ्लैक्स – फ्लैक्स उत्पादक क्षेत्र; हेम्प; अन्य रेशे; कच्चा रेशम – रेशम उत्पादन क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; प्राकृतिक रबड़ – प्राकृतिक रबड़ के अन्य स्रोत, दक्षिणी पूर्वी एशिया में रबड़ के बागान, रबड़ का उत्पादन क्षेत्र, प्राकृतिक रबड़ का भविष्य, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; गन्ना – उपज की दशाएँ, गन्ना उत्पादन क्षेत्र, अमेरिका में गन्ना उत्पादन, एशिया में गन्ना उत्पादन, अफ्रीका में गन्ना उत्पादन; चुकन्दर – उपज की दशाएँ, चुकन्दर उत्पादक क्षेत्र; चीनी उद्योग – अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, महत्वपूर्ण प्रश्न।

21. विनिर्माणी उद्योग : अवस्थिति **444-464**

(Manufacturing Industries : Location)

विनिर्माणी उद्योग का अर्थ, कच्चे माल एवं तैयार माल, विनिर्माण के प्रकार, उद्योगों की अवस्थिति की समस्या के उपागम, अवस्थिति के सिद्धान्त, उद्योगों की अवस्थिति के निर्धारक तत्व, कारखाना अवस्थिति के सिद्धान्त, न्यूनतम लागत उपागम, वेबर का औद्योगिक स्थानीयकरण का सिद्धान्त, परिवहन लागतों का प्रभाव, श्रम लागत का प्रभाव, समूहीकरण का प्रभाव, भार-हानि में परिवहन लागत सिद्धान्त, श्रम अविकल एवं परिवहन लागत का सिद्धान्त, बाजार प्रतिस्पर्धा सिद्धान्त, हेरोल्ड होटेलिंग का सिद्धान्त, पैलेन्डर का सिद्धान्त, लॉश का सिद्धान्त, समन्वित सिद्धान्त, स्मिथ का सिद्धान्त, व्यवहार परक स्थापना सिद्धान्त, संरचनात्मक उपागम, अन्य अवस्थितिक विचार एवं नियन्त्रण, समूहन की अर्थव्यवस्थाएँ, तुलनात्मक लाभ, बहुराष्ट्रीय निगम, नियोजित अर्थव्यवस्थाओं में औद्योगिक अवस्थिति, हाई-टेक प्रतिरूप, महत्वपूर्ण प्रश्न।

22. लोहा एवं इस्पात उद्योग **465-481**

(Iron and Steel Industry)

लोहा एवं इस्पात उत्पादन की प्रक्रिया, लोहा एवं इस्पात उद्योग की अवस्थिति, प्रारम्भिक स्थापना, लौह निर्माण का विकास, इस्पात के विभिन्न प्रकार, इस्पात निर्माण के चरण, इस्पात निर्माण के प्रक्रम, विश्व में लोहा एवं इस्पात उत्पादन, एशियाई देशों में इस्पात उत्पादन, यूरोपीय देशों में इस्पात उत्पादन, विश्व के अन्य देशों में इस्पात उत्पादन, लेटिन अमेरिका में लोहा एवं इस्पात उद्योग, इस्पात उत्पादन में नवीन उपनतियाँ, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, इस्पात उद्योग की विकास क्षमता (विभव), महत्वपूर्ण प्रश्न।

23. वस्त्र उद्योग **482-508**

(Textile Industry)

सूती वस्त्र उद्योग – वस्त्र निर्माण की प्रक्रियाएँ, उद्योग की अवस्थिति, स्थान निर्धारण में नवीन उपनतियाँ, सूती वस्त्र उद्योग का वितरण, एशिया में सूती वस्त्रोत्पादन, अन्य एशियाई देश, यूरोप में सूती वस्त्रोद्योग, (पूर्व) सोवियत संघ में सूती वस्त्रोत्पादन, अनुकूल तटकर नीति, अन्य यूरोपीय देश, आँग्ल अमेरिका में सूती वस्त्रोत्पादन, संयुक्त राज्य के वस्त्रोद्योग में नवीन उपनतियाँ, लेटिन अमेरिका में सूती वस्त्रोद्योग, अफ्रीका में सूती वस्त्रोद्योग, ऑस्ट्रेलिया में सूती वस्त्रोद्योग, सूती वस्त्र उद्योग में नवीन उपनतियाँ; ऊनी वस्त्र उद्योग – उद्योग की अवस्थिति, यूरोप में ऊनी वस्त्रोत्पादन, यूनाइटेड किंगडम (ग्रेट ब्रिटेन), एशिया में ऊनी वस्त्रोत्पादन – भारत; उत्तरी अमेरिका में ऊनी वस्त्रोत्पादन – संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिणी महाद्वीपों में ऊनी वस्त्रोत्पादन, ऊनी वस्त्र उद्योग का भविष्य; रेशमी वस्त्र उद्योग – विश्व में रेशमी वस्त्रोत्पादन, एशिया में रेशमी वस्त्रोत्पादन, मध्य एशियाई देश, यूरोप रेशमी वस्त्रोत्पादन, संयुक्त राज्य अमेरिका में रेशमी वस्त्रोद्योग; कृत्रिम रेशम उद्योग – विश्व के कृत्रिम रेशों तथा वस्त्रों का उत्पादन, जापान, यूनाइटेड किंगडम, (पूर्व) सोवियत संघ, जर्मनी, इटली, फ्रांस, भारत, महत्वपूर्ण प्रश्न।

24. रासायनिक उद्योग **509-538**
(Chemical Industry)
रसायनों का वर्गीकरण, रासायनिक उद्योग की शाखाएँ, रासायनिक उद्योग की अवस्थिति, प्रमुख रसायन उद्योग, नाइट्रिक एसिड, क्षारों का उत्पादन – सोडा एश, कास्टिक सोडा, क्लोरीन, अमोनिया, रासायनिक उद्योगों की प्रगति, संयुक्त राज्य अमेरिका में रसायन-निर्माण, अन्य प्रदेश में रसायन निर्माण – जर्मनी, (पूर्ववर्ती) सोवियत संघ, फ्रांस, इटली, यूनाइटेड किंगडम; एशिया में रसायन विनिर्माण – जापान, भारत, चीन, 2. उर्वरक उद्योग – नाइट्रोजन उर्वरक, फास्फेट उर्वरक, पोटाश उर्वरक; 3. विस्फोटक सामग्री, 4. सिन्थेटिक रबड़ उद्योग – सिन्थेटिक रबड़ उत्पादक देश, कृत्रिम रबड़ उत्पादक वैश्विक कम्पनियाँ; 5. काँच उद्योग – संयुक्त राज्य अमेरिका का काँच उद्योग, यूरोप का काँच उद्योग, एशिया में काँच उद्योग; 6. लुगदी एवं कागज उद्योग – लुग्दी उत्पादन की दशाएँ, लुग्दी का उत्पादन, कागज एवं गत्ता निर्माण, आंग्ल अमेरिका में कागज उत्पादन – संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोप में कागज उत्पादन, एशिया में कागज उत्पादन, दक्षिणी अमेरिका में कागज उत्पादन, अखबारी कागज, कागज का उपयोग एवं वैश्विक उपभोग, कागज उद्योग में अद्यतन; 7. प्लास्टिक उद्योग; 8. पेट्रोलियम शोधन उद्योग – स्थानीयकरण, स्थिति (स्थान) चयन, तेल शोधनशालाओं का इतिहास, तेल शोधन का विश्व प्रतिरूप, पेट्रोलियम का उपभोग, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, ओपेक तथा तेल के व्यापार में इसकी भूमिका, ऊर्जा संकट, 8. सीमेन्ट उद्योग – सीमेन्ट उद्योग का वितरण, एशिया में सीमेन्ट उत्पादन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय देश, अभिनव उपनतियाँ, विश्व की वृहत्तम सीमेन्ट उत्पादक कम्पनियाँ/ कार्पोरेशन, महत्वपूर्ण प्रश्न।

25. इंजीनियरिंग उद्योग **539-565**
(Engineering Industry)
इंजीनियरिंग उद्योगों की विशेषताएँ, मशीनी यन्त्रों तथा मशीनरी का निर्माण; उत्पादन के क्षेत्र – संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्ववर्ती सोवियत संघ, यूरोप में मशीन उपकरण उद्योग, एशिया में मशीन उपकरण उद्योग; औद्योगिक मशीनरी – टेक्सटाइल (वस्त्रोद्योग) मशीनरी, अन्य औद्योगिक मशीनरी, कृषि मशीनरी; परिवहन उपकरण उद्योग – 1. मोटर उद्योग, संयुक्त राज्य का मोटर उद्योग, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, भारत, ब्राजील, चीन, इटली, स्पेन, थाईलैण्ड, विश्व में मोटर-कार उद्योग के प्रमुख केन्द्र, ऑटोमोबाइल (मोटर) उद्योग में नवीन उपनतियाँ (trends) एवं चुनौतियाँ; 2. रेल के इंजनों, पटरियों तथा बोगियों का निर्माण – रेल नेटवर्क; 3. वायुयान निर्माण उद्योग – वायुयानों के प्रकार, विश्व के प्रमुख वायुयान निर्माता देश – 1. संयुक्त राज्य अमेरिका, 2. कनाडा, 3. रूस, 4. यूनाइटेड किंगडम, 5. फ्राँस, 6. इटली, 7. जापान, 8. चीन; विश्व की 10 प्रमुख एयरलाइनें (2019); 4. पोत निर्माण उद्योग – यूनाइटेड किंगडम में पोत निर्माण, जापान में पोत निर्माण, संयुक्त राज्य अमेरिका में पोत निर्माण, अन्य यूरोपीय देशों में पोत निर्माण, भारत में जलयान निर्माण, महत्वपूर्ण प्रश्न।

26. औद्योगिक प्रदेश **566-582**
(Industrial Regions)
औद्योगिक प्रदेश की विशेषताएँ, औद्योगिक प्रदेश का सीमांकन, औद्योगिक प्रदेश के प्रमुख तत्व, विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश, संयुक्त राज्य अमेरिका के औद्योगिक प्रदेश, पूर्व सोवियत संघ के औद्योगिक प्रदेश, यूरोप के औद्योगिक प्रदेश, ग्रेट ब्रिटेन के औद्योगिक प्रदेश, जर्मनी औद्योगिक प्रदेश, साम्ब्रे-केम्पाइन औद्योगिक प्रदेश, बेल्जियम व नीदरलैण्ड्स के निम्न क्षेत्र, फ्राँस के औद्योगिक प्रदेश, इटली के औद्योगिक प्रदेश, पोलैण्ड के औद्योगिक प्रदेश, जापान के औद्योगिक प्रदेश, चीन के औद्योगिक प्रदेश, ड्रैगन, भारत के औद्योगिक प्रदेश, प्रमुख औद्योगिक प्रदेश, महत्वपूर्ण प्रश्न।

27. परिवहन एवं व्यापार मार्ग **583-608**
(Transport and Trade Routes)
परिवहन का महत्व एवं विकास, परिवहन के आधार, परिवहन के माध्यम एवं सापेक्षिक महत्व; जल परिवहन – सामुद्रिक जलमार्ग, स्वेज नहर मार्ग, पनामा नहर मार्ग, आन्तरिक जलमार्ग, आन्तरिक जलमार्गों की उपयोगिता को प्रभावित करने वाले कारक, आन्तरिक जलमार्गों के प्रमुख प्रदेश, यूरोप के आन्तरिक जलमार्ग, राइन जलमार्ग, पूर्व सोवियत संघ के आन्तरिक जलमार्ग, उत्तरी अमेरिका के आन्तरिक जलमार्ग, एशिया के आन्तरिक जलमार्ग, अन्य प्रदेशों के आन्तरिक जलमार्ग; रेल-परिवहन – रेलमार्गों को प्रभावित करने वाले कारक, रेलमार्गों का घनत्व, रेल परिवहन में नई प्रवृत्तियाँ, प्रमुख देशों में रेलमार्ग, यूरोप के रेलमार्ग, एशिया के रेलमार्ग, अन्य महाद्वीपों में रेलमार्ग; सड़क परिवहन – सड़क परिहन का महत्व, सड़कों का वितरण; वायु परिवहन – वायु परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक; पाइप लाइन परिवहन – पेट्रोलियम पाइप लाइनें, गैस पाइप लाइनें, (परिवहन) नेटवर्क विश्लेषण, परिवहन लागतें एवं विशिष्टीकरण, आधुनिक युग में परिवहन एवं व्यापार, परिवहन लागतें एवं मापन की अर्थव्यवस्थाएँ, परिवहन की नकारात्मक बहिर्मुखता, महत्वपूर्ण प्रश्न।

28. बाज़ार एवं विपणन केन्द्र **609-619**
(Market and Marketing Centres)
बाजार की कुछ परिभाषाएँ, बाजार केन्द्र, क्रिस्टेलर के विचार, 1. बाजार नियम, 2. यातायात नियम, 3. प्रशासकीय नियम, बाजार केन्द्रों की उत्पत्ति, नियत कालिक एवं दैनिक विपणन, क्रमिक विकास, खुदरा (फुटकर) एवं थोक बाजार, खुदरा व्यापार, खुदरा व्यापार का वैश्वीकरण, महत्वपूर्ण प्रश्न।

29. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं व्यापारिक संगठन **620-645**
(International Trade and Trade Organizations)
व्यापार का विकास, व्यापार के प्रकार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं अन्तर्क्षेत्रीय व्यापार में अन्तर, आधुनिक विचार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त – 1. तुलनात्मक लाभ का सिद्धान्त, 2. हेक्सचेर-ओहलिन का सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अवरोधक, विश्व व्यापार प्रतिरूप; प्रमुख व्यापारिक प्रखण्ड – 1. नाफ्टा, 2. यूरोपीय संघ, 3. लेटिन अमेरिका, 4. एशिया एवं प्रशान्त, 5. रूसी फेडरेशन, 6. ओपेक, 7. यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ, 8. लेटिन अमेरिका स्वतन्त्र व्यापार संघ, 9. दक्षिणी पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ, 10. साप्टा, 11. उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता; अंकटाड (UNCTAD), गैट एवं विश्व व्यापार संगठन, डंकल प्रस्ताव, उरुग्वे दौर के प्रमुख प्रावधान, विश्व व्यापार संगठन, विश्व व्यापार संगठन : एक मूल्यांकन, विश्व व्यापार संगठन की आलोचना, निष्कर्ष, महत्वपूर्ण प्रश्न।

30. आर्थिक विकास एवं संपोषणीय विकास **646-656**
(Economic Development and Sustainable Development)
विकास के निर्धारक तत्व, आर्थिक विकास के कारक; आर्थिक कारक – प्राकृतिक संसाधन, प्रौद्योगिकीय प्रगति, पूँजी निर्माण, जनसंख्या, विदेशी व्यापार एवं सहायता, संरचनात्मक परिवर्तन; गैर-आर्थिक कारक – सामाजिक कारक, साँस्कृतिक कारक, राजनीतिक कारक; आर्थिक विकास में बाधाएँ – निर्धनता का दुष्चक्र, जनाधिक्य या अति जनसंख्या, बाजार की अपूर्णताएँ, सामाजिक एवं राजनीतिक शक्तियाँ, अन्तर्राष्ट्रीय शक्तियाँ; वैश्वीकरण एवं आर्थिक विकास, वैश्वीकरण को प्रभावित करने वाले कारक, वैश्वीकरण एवं भारत, वैश्वीकरण का भारत पर प्रभाव, संपोषणीय विकास, पर्यावरणीय मुद्दे एवं संपोषणीय विकास, महत्वपूर्ण प्रश्न।

खण्ड-IV — आर्थिक प्रदेश एवं प्रादेशीकरण
(Economic Regions and Regionalization)

31. आर्थिक प्रदेश एवं प्रादेशीकरण **657-678**
(Economic Regions and Regionalisation)
आर्थिक विकास की विभिन्न अवस्थाएँ, आधुनिक आर्थिक विकास; आर्थिक विकास का मापन – I. विकास के आर्थिक कारक, II. विकास के सामाजिक कारक, III. विकास के जनांकिकीय कारक; आर्थिक विकास के अन्य कारक, आर्थिक विकास के सिद्धान्त, आधुनिकीकरण सिद्धान्त, पराश्रयिता सिद्धान्त, स्वायत्त विकास सिद्धान्त, विकास का समन्वित सिद्धान्त, विकास का अवस्था परक सिद्धान्त, आर्थिक विकास का प्रादेशिक प्रसार, मौलिक आवश्यकता सिद्धान्त, आर्थिक प्रदेश एवं प्रादेशीकरण, विकासशील देशों में विभिन्नता, महत्वपूर्ण प्रश्न।

—x—x—

चित्रों एवं मानचित्रों की सूची

चित्र 2.1 : सरल अर्थतन्त्र।
चित्र 3.1 : बहुराष्ट्रीय संक्रियाओं (operations) के विभिन्न प्रकार। (Coe et al. के अनुसार)
चित्र 3.2 : केन्द्रीय स्थल सिद्धान्त (क्रिस्टेलर का k=3 नेटवर्क)
चित्र 3.3 : पश्चिमी अफ्रीका में सावधिक बाजारों का वितरण (स्मिथ, 1971 के अनुसार)
चित्र 3.4 : दैनिक बाजारों का क्रमिक विकास।
चित्र 4.1 : पदार्थों के प्रवाहों के तन्त्र रूप में अर्थव्यवस्था। (U.S. Geological Survey 2001 के अनुसार)
चित्र 5.1 : आदिम मानव एवं उसके प्राकृतिक पर्यावरण के बीच गत्यात्मक सम्बन्ध (जिम्मरमैन के अनुसार)
चित्र 5.2 : मानव, संस्कृति एवं प्रकृति। अधिकांश सांस्कृतिक परिवर्तन सामाजिक वर्गों में पैदा होते हैं। (जिम्मरमैन के अनुसार)
चित्र 5.3 : संसाधनों का स्थानिक वितरण (स्ट्रिंजर एवं डेवीज़ के अनुसार)
चित्र 5.4 : संसाधन प्रक्रिया एवं वर्गीकरण में प्रकृति, मानव एवं संसाधन निर्माण में प्रकृति एक कारक के रूप में।
चित्र 5.5 : फैंटम पुंज संकल्पना
चित्र 6.1 : मृदा परिच्छेदिका
चित्र 6.2 : मिट्टियों के प्रमुख प्रकार
चित्र 6.3 : USDA के अनुसार मिट्टियों का वर्गीकरण
चित्र 7.1 : भूमिगत जल के रूप — कूप, स्रोत, उत्स्रुत कूप।
चित्र 7.2 : जलीय चक्र।
चित्र 7.3 : विश्व में जल की उपलब्धता।
चित्र 8.1 : विश्व में प्राकृतिक वनस्पति के प्रकार।
चित्र 9.1 : विश्व में लौह अयस्क उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 9.2 : संयुक्त राज्य अमेरिका में झील क्षेत्र में लौह अयस्क उत्पादक क्षेत्र
चित्र 9.3 : पूर्व सोवियत संघ में प्रमुख लौह अयस्क उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 9.4 : उत्तरी-पश्चिमी यूरोप में लौह-अयस्क के प्रमुख क्षेत्र।
चित्र 9.5 : विश्व के प्रमुख मैंगनीज़ उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 9.6 : विश्व के प्रमुख ताँबा उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 9.7 : विश्व में प्रमुख बॉक्साइट उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 9.8 : विश्व के प्रमुख जस्ता एवं सीसा उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 9.9 : विश्व के प्रमुख रांगा (टिन) उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 9.10 : विश्व के प्रमुख स्वर्ण उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 10.1 : विश्व के प्रमुख कोयला क्षेत्र।
चित्र 10.2 : पूर्व सोवियत संघ के कोयला क्षेत्र।
चित्र 10.3 : आंग्ल अमेरिका के कोयला क्षेत्र
चित्र 10.4 : चीन के प्रमुख कोयला क्षेत्र।
चित्र 10.5 : ग्रेट ब्रिटेन के कोयला क्षेत्र।
चित्र 10.6 : यूरोप के कोयला क्षेत्र।
चित्र 10.7 : भारत के प्रमुख कोयला क्षेत्र।
चित्र 10.8 : दक्षिण अफ्रीका के कोयला क्षेत्र।
चित्र 10.9 : विश्व के प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 10.10 : मध्य पूर्व के पेट्रोलियम क्षेत्र।

चित्र 10.11 : मध्य पूर्व में पेट्रोलियम उत्पादन।
चित्र 10.12 : पूर्ववर्ती सोवियत संघ के पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 10.13 : आंग्ल अमेरिका के प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 10.14 : दक्षिणी अमेरिका के प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 10.15 : चीन के पेट्रोलियम क्षेत्र।
चित्र 10.16 : पेट्रोलियम का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार प्रवाह।
चित्र 10.17 : संयुक्त राज्य अमेरिका में प्राकृतिक गैस के उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 10.18 : पूर्व सोवियत संघ के प्राकृतिक गैस क्षेत्र।
चित्र 10.19 : विश्व में यूरेनियम का उत्पादन।
चित्र 11.1 : उत्तरी गोलार्द्ध में जनसंख्या की प्रधानता।
चित्र 11.2 : विश्व के वास्य तथा अवास्य क्षेत्र।
चित्र 11.3 : एशिया में जनसंख्या का घनत्व।
चित्र 11.4 : यूरोप में जनसंख्या का घनत्व।
चित्र 11.5 : यूरोप में जनसंख्या का घनत्व।
चित्र 11.6 : दक्षिण अमेरिका में जनसंख्या का घनत्व।
चित्र 11.7 : अफ्रीका में जनसंख्या का घनत्व।
चित्र 11.8 : आस्ट्रेलिया में जनसंख्या का घनत्व।
चित्र 11.9 : विश्व में जनसंख्या के कार्यिक घनत्व का वितरण।
चित्र 11.10 : विश्व में जनसंख्या के गणितीय घनत्व।
चित्र 11.11 : विश्व में जनसंख्या वृद्धि (8000 ई.पू. से 2000 ई. तक)
चित्र 11.12 : विश्व की जनसंख्या के संख्या एवं प्रारूप।
चित्र 11.13 : विश्व में जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दरें।
चित्र 11.14 : विश्व में शुद्ध जन्म दरें।
चित्र 11.15 : विश्व में शुद्ध मृत्यु दरें।
चित्र 11.16 : जनसंख्या संरचना के चार प्रकार।
चित्र 11.17 : पश्चिमी यूरोप तथा उपसहारा अफ्रीका के जनसंख्या पिरामिड (1995)
चित्र 11.18 : विश्व में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत।
चित्र 11.19 : जनांकिकीय परिवर्तन सिद्धान्त के अनुसार अवस्थाएँ।
चित्र 11.20 : जनसंख्या – संसाधन प्रदेश
चित्र 12.1 : आर्थिक क्रियाओं के प्रकार।
चित्र 13.1 : विश्व के आखेट क्षेत्र।
चित्र 13.2 : विश्व पशुचारण के क्षेत्र एवं प्रकार।
चित्र 13.3 : विश्व के प्रधान वन प्रदेश।
चित्र 13.4 : विश्व में वाणिज्यिक वन-वस्तु संग्रहण।
चित्र 14.1 : मवेशी पालन के प्रमुख क्षेत्र।
चित्र 14.2 : विश्व में भेड़ पालन के प्रमुख क्षेत्र।
चित्र 14.3 : विश्व के प्रमुख ऊन उत्पादक देश एवं व्यापार।
चित्र 15.1 : विश्व के प्रमुख मत्स्योत्पादक क्षेत्र।
चित्र 15.2 : उत्तरी-पश्चिमी अटलांटिक क्षेत्र।
चित्र 15.3 : उत्तरी-पूर्वी अटलांटिक के प्रमुख मत्स्यन क्षेत्र।
चित्र 16.1 : परिवहन ढाल प्रवणता एवं कृषीय कटिबन्ध।
चित्र 16.2 : एक फसल का आर्थिक लगान तथा बाजार।
चित्र 16.3 : बाजार से दूरी की भिन्नता के साथ उत्पादन की विभिन्न मात्रा का लगान।
चित्र 16.4 : एकाकी राज्य के चारों ओर कृषि की संकेन्द्रीय पेटियाँ। (वॉन थ्यूनेन के अनुसार)

चित्र 16.5 : ओ. जोनासन के अनुसार यूरोप के एक सैद्धान्तिक एकाकी नगर में उत्पादन की संकेन्द्रीय पेटियाँ।
चित्र 17.1 : विश्व की प्रमुख कृषि पद्धतियाँ (प्रदेश) ह्विटलसी के अनुसार।
चित्र 17.2 : विश्व के पशुचारण के क्षेत्र।
चित्र 17.3 : विश्व में स्थानान्तरी कृषि।
चित्र 17.4 : आदिम-निर्वाह (स्थानबद्ध) कृषि के प्रदेश।
चित्र 17.5 : (A) चावल प्रधान गहन कृषि, (B) चावल रहित गहन कृषि प्रदेश।
चित्र 17.6 : सघन निर्वहन चावल प्रधान कृषि।
चित्र 17.7 : विश्व में सघन निर्वाहन कृषि।
चित्र 17.8 : विश्व में वाणिज्यिक कृषि।
चित्र 17.9 : विश्व में मिश्रित कृषि के प्रदेश।
चित्र 17.10 : प्रमुख बागाती फसलें।
चित्र 17.11 : आँग्ल अमेरिका की परम्परागत कृषि पेटियाँ।
चित्र 17.12 : आँग्ल अमेरिका के सामान्य कृषि प्रदेश।
चित्र 17.13 : पूर्व सोवियत संघ के कृषि प्रदेश।
चित्र 17.14 : सोवियत संघ में 'वर्जिन भूमि प्रोग्राम' के अन्तर्गत आइडिल वर्जिन लैण्ड प्रोग्राम के तहत तत्कालीन सोवियत संघ।
चित्र 17.15 : चीन के कृषि प्रदेश – 1. उत्तर पूर्व, 2. दक्षिण पूर्व, 3. उत्तर पश्चिम, 4. शंघाई तिब्बत
चित्र 17.16 : चीन के कृषि प्रदेश (कोल्ब के अनुसार)
चित्र 17.17 : भारत के कृषि प्रदेश।
चित्र 18.1 : विश्व में गेहूँ उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र।
चित्र 18.2 : दक्षिणी पूर्वी एशिया में चावल उत्पादन क्षेत्र।
चित्र 18.3 : विश्व में मक्का उत्पादक क्षेत्र एवं व्यापार।
चित्र 19.1 : विश्व में चाय उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 19.2 : विश्व में कहवा उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 19.3 : विश्व में कोको उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 19.4 : विश्व में तम्बाकू उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 20.1 : विश्व में कपास उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 20.2 : विश्व में फ्लैक्स उत्पादन के क्षेत्र।
चित्र 20.3 : विश्व में हैम्प उत्पादन के क्षेत्र।
चित्र 20.4 : दक्षिणी पूर्वी एशिया में कच्चा रेशम उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 20.5 : दक्षिणी-पूर्वी एशिया में प्राकृतिक रबड़ के उत्पादन के मुख्य प्रदेश।
चित्र 20.6 : विश्व में गन्ना उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 20.7 : विश्व में गन्ने तथा चुकन्दर की चीनी के उत्पादक क्षेत्र।
चित्र 21.1 : वेबर के अनुसार कारखाने (उद्योग) की स्थिति।
चित्र 21.2 : आइसोडापेन (Isodapane) – M = बाजार, S = कच्चे माल का स्रोत, बारीक रेखाओं के वृत्त = दूरियों की इकाइयाँ मोटी रेखा = आइसोडापेन A तथा B = फैक्टरी की दो विचारणीय स्थितियाँ।
चित्र 21.3 : समूहीकरण एवं औद्योगिक।
चित्र 21.4 : कच्चा माल और बाजार तथा उद्योग का स्थानीयकरण।
चित्र 21.5 : दो परिवहन माध्यमों के मिलन बिन्दु पर उद्योग का स्थानीयकरण।
चित्र 21.6 : उद्योगों के स्थानीयकरण में न्यूनतम लागत मॉडल (हूवर)।
चित्र 21.7 : बाजार प्रतिस्पर्द्धा सिद्धान्त का मॉडल (होटेलिंग के अनुसार)
चित्र 21.8 : उत्पादन लागत और उद्योग का स्थानीयकरण (पैलेन्डर के अनुसार)
चित्र 21.9 : बाजार क्षेत्र का सैद्धान्तिक आकार एवं षटभुजाकार बनना।
चित्र 21.10 : लाभ की स्थानिक सीमाएँ (माँग स्थिर है) – स्मिथ के अनुसार।
चित्र 21.11 : लाभ की स्थानिक सीमाएँ (लागत स्थिर है) – स्मिथ के अनुसार।

चित्र 21.12 : अधिकतम लाभ की स्थित – स्मिथ के अनुसार।
चित्र 21.13 : एलन प्रैड का व्यवहार परक मैट्रिक्स।
चित्र 22.1 : चीन के प्रमुख लोहा-इस्पात केन्द्र।
चित्र 22.2 : जापान के प्रमुख लोहा-इस्पात केन्द्र।
चित्र 22.3 : पूर्व सोवियत संघ में प्रमुख लोहा-इस्पात केन्द्र।
चित्र 22.4 : संयुक्त राज्य अमेरिका में लोहा-इस्पात उद्योग के प्रमुख केन्द्र।
चित्र 22.5 : ग्रेट ब्रिटेन में लोहा-इस्पात निर्माण के क्षेत्र।
चित्र 23.1 : चीन में सूती वस्त्र उद्योग के प्रमुख केन्द्र।
चित्र 23.2 : भारत में सूती वस्त्रोद्योग के कारखाने।
चित्र 23.3 : पूर्ववर्ती सोवियत संघ में सूती वस्त्र के उत्पादक प्रदेश।
चित्र 23.4 : लंकाशायर प्रदेश का सूती वस्त्र उद्योग।
चित्र 23.5 : संयुक्त राज्य अमेरिका में सूती वस्त्र बुनाई की मिलें।
चित्र 23.6 : संयुक्त राज्य अमेरिका में बुनाई मिलें।
चित्र 23.7 : पूर्व सोवियत संघ में ऊनी वस्त्रों के कारखानें।
चित्र 23.8 : संयुक्त राज्य अमेरिका में ऊनी वस्त्रोद्योग के केन्द्र।
चित्र 24.1 : संयुक्त राज्य अमेरिका में रासायनिक उद्योगों के क्षेत्र – 1. पूर्वी अटलांटिक तटीय, 2. ओदायो-वार्जीनिया-टैनेसी, 3. इलिनोयस-इण्डियाना, 4. टैक्सास-लूजियाना, 5. केलिफोर्निया, 6. वाशिंगटन।
चित्र 24.2 : पूर्व सोवियत संघ में रासायनिक निर्माण केन्द्रों के क्षेत्र।
चित्र 24.3 : यूरोप में रासायनिक उद्योग – A. पश्चिमी यूरोप – 1. पश्चिमी ब्रिटेन, 2. फ्रांस बेल्जियम – नीदरलैण्ड्स, 3. दक्षिणी पश्चिमी एवं दक्षिणी फ्रांस, 4. राइन-रुर प्रदेश (जर्मनी), 5. उत्तरी एवं तटीय इटली, 6. उत्तरी पूर्वी स्पेन, 7. स्विट्जरलैण्ड, 8. आस्ट्रिया। B. पूर्वी यूरोप – 9. पूर्वी जर्मनी, 10. चेकोस्लोवाकिया, 11. पोलैण्ड, 12. हंगरी, 13. रोमानिया, 14. पूर्ववती उत्तरी यूगोस्लाविया, 15. यूनान।
चित्र 25.1 : संयुक्त राज्य अमेरिका में मशीन उपकरण निर्माण केन्द्र।
चित्र 25.2 : (पूर्व) सोवियत संघ में मशीनी उपकरण उद्योग – 1. केन्द्रीय प्रदेश 2. यूक्रेन, 3. यूराल, 4. लेनिनग्राड 5. बाइलोरशिया, 6. उत्तरी काकेशक, 7. ट्रांस काकेशस, 8. वोल्गाघाटी, 9. कजाकस्तान, 10. मध्य एशिया, 11. पश्चिमी साइबेरिया, 12. बैकाल, 13. सुदूर पूर्व।
चित्र 25.3 : यूरोप में औद्योगिक मशीनरी के निर्माण के केन्द्र।
चित्र 25.4 : संयुक्त राज्य अमेरिका में फार्म (कृषि) मशीनरी निर्माण के केन्द्र।
चित्र 25.5 : (पूर्व) सोवियत संघ में कृषि यन्त्रों के निर्माण केन्द्र – 1. मध्यवर्ती क्षेत्र, 2. उत्तरी पश्चिमी, 3. बैलो रूस, 4. उक्राइन क्षेत्र, 5. उत्तरी काकेशक, 6. ट्रांस काकेशस, 7. वोल्गाघाटी, 8. यूराल क्षेत्र, 9. कजाकिस्तान, 10. मध्य एशिया, 11. पश्चिमी साइबेरिया, 12. पूर्वी साइबेरिया, 13. सुदूर-पूर्व।
चित्र 25.6 : संयुक्त राज्य अमेरिका में मोटर वाहन उद्योग।
चित्र 25.7 : संयुक्त राज्य अमेरिका में वायुयान उद्योग।
चित्र 25.8 : विश्व में पोत निर्माण के प्रमुख केन्द्र।
चित्र 25.9 : जापान में पोत निर्माण के मुख्य केन्द्र।
चित्र 26.1 : पूर्वी संयुक्त राज्य के औद्योगिक प्रदेश में विनिर्माण उद्योगों के मुख्य क्षेत्र – (1) पिट्सबर्ग क्लीवलैण्ड क्षेत्र (2) मध्य एटलांटिक क्षेत्र, (3) दक्षिणी न्यू इंग्लैण्ड राज्य, (4) डेट्रायट क्षेत्र, (5) मिशिगन झील का क्षेत्र, (6) दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र।
चित्र 26.2 : पूर्व सोवियत संघ के औद्योगिक प्रदेश – (1) केन्द्रीय प्रदेश, (2) यूक्रेन, (3) वोल्गोग्राड, (4) यूराल, (5) एशिया, (6) कुजनेत्स्क, (7) बैकाल झील, (8) सुदूर पूर्व, (9) लेनिनग्राड (अब सेन्टपीटर्सबर्ग)
चित्र 26.3 : पश्चिमी यूरोप के औद्योगिक प्रदेश।
चित्र 26.4 : ग्रेट ब्रिटेन के औद्योगिक प्रदेश — (1) लंकाशायर, (2) यॉर्क शायर, (3) नार्थम्बर लैण्ड-डरहम, (4) मध्यवर्ती प्रदेश, (5) साउथ वेलर, (6) उत्तरी वेल्स, (7) ब्रिस्टल, (8) कम्बरलैण्ड, (9) क्लाइड घाटी, (10) लन्दन क्षेत्र।
चित्र 26.5 : जर्मनी के औद्योगिक प्रदेश।
चित्र 26.6 : फ्राँस के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश।

चित्र 26.7 : जापान के औद्योगिक प्रदेश – (1) क्वान्टो प्रदेश, (2) नागोया प्रदेश, (3) किन्की प्रदेश, (4) हिरोशिमा-कुरा-उत्तरी शिकोकू प्रदेश, (5) रिलाक्यूशू प्रदेश, (6) दक्षिणी होकैडो प्रदेश, (7) सेन्डाई प्रदेश।

चित्र 26.8 : चीन के औद्योगिक प्रदेश।

चित्र 27.1 : विश्व के प्रमुख महासागरीय मार्ग – A–उत्तरी अटलांटिक, B–पश्चिमी यूरोप, भूमध्य सागरीय एवं हिन्द महासागर, C–उत्तमाशा अन्तरीय, D–अटलांटिक, दक्षिणी पूर्वी अमेरिका तटीय, E–प्रशान्त अमेरिका, उत्तरी अमेरिका एवं यूरोपीय, F–उत्तरी अमेरिका-पश्चिम तटीय, G–ट्रांस पैसेफिक, H–कैरीबियन, J–गल्फ-कैरीबियन एवं उत्तरी अमेरिका का पूर्वी तटीय।

चित्र 27.2 : स्वेज नहर मार्ग।

चित्र 27.3 : पनामा नहर मार्ग।

चित्र 27.4 : यूरोप के मुख्य आन्तरिक जल-मार्ग।

चित्र 27.5 : विश्व में रेलमार्गों का घनत्व।

चित्र 27.6 : ट्राँस साइबेरियन रेलमार्ग।

चित्र 27.7 : सर्वोत्तम मार्ग का चयन (हैगेट के अनुसार)

चित्र 27.8 : संलग्नता के मापन हेतु Beta Index का प्रयोग।

चित्र 27.9 : पाँच केन्द्रों को जोड़ते हुए लघुतम मार्ग जाल (बुन्ज के अनुसार)

चित्र 31.1 : रोस्तोव का विकास मॉडल

चित्र 31.2 : रोस्तोव के अनुसार विकास की अवस्थाएँ